OM SHANTI MEDIA -FEB-II- 2022 MAHARASHTRA FINAL FILE_Layout 2 29-01-2023 10:50 Page 5

ज़रा सोचें...

अपनी महानता से व्यवहार करें, दूसरों को देखकर नहीं

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

ये तो हम सबको पता ही है कि कलियुग अंत का समय चल रहा है। महापरिवर्तन की वेला है। टोटल चेंज होना ही है। तो स्वाभाविक है कि हलचल तो आनी ही है। जो अचल है सत्य है वो ही टिकेगा, बाकी सब उखड़ के बदल जाना है। परिस्थितियां खुद के हिसाब-किताब से भी आती हैं, और आत्माओं से भी आती हैं और प्रकृति से भी आती हैं। क्योंकि इस हलचल के बाद जो अचल-अडोल रहेंगे वो नई दुनिया के मालिक बनेंगे। तो बाबा ने जो आदि-मध्य-अंत का ज्ञान दिया है, तो पता है कि ये सब होना ही है। अचानक कोई बात हो जाये और लोगों को पता न हो तो उनको बहुत शॉक लगता है, आघात लगता है कि अरे, ये क्या हो रहा है! पर हमें तो बाबा रोज़ समझाते हैं। आप देखो, एक भी मुरली नहीं होगी जिसमें विनाश की बातें न हों! कुछ न कुछ बाबा ज़रूर बताते रहते हैं। विनाश सामने खड़ा है। मौत सामने खड़ा है। बाबा हमें रोज़ मेंटली प्रेपेअर(मानसिक रूप से तैयार) करता है। देखो, कोरोना की परिस्थिति आई, बाबा के बच्चे तो नहीं घबराये न! सबकी बुद्धि में यही आया कि पता है, बाबा ने कहा है, जो कुछ होना है अचानक होना है। ऐसे नहीं कि बाबा हमारा है तो हमें बता देगा। नहीं, कितना भी बच्चे पूछें, पर बाबा तो सबका बाबा है ना, सिर्फ हमारा थोड़े ही है! हमें बता दें और औरों को न बतायें, वो तो अन्याय हो जायेगा ना!

तो बाबा ने कहा है, कब होगा, क्या होगा, नहीं बतायेंगे। जो कुछ होगा वो अचानक होगा। तो बच्चे एवररेडी रहेंगे ना! यज्ञ शुरु हुआ, तब से विनाश की बात है। बाबा का उद्देश्य हर आत्मा को तैयार करना है। मनुष्य आत्माओं को ये आदत है कि टाइम हुआ... खा लो, टाइम हुआ... सो जाओ, टाइम हुआ... नहा लो। टाइम का प्रभाव रहता है ना जीवन में! आज दुनिया में क्या-क्या हो रहा है! हम तो लिमिटेड जानते हैं जो न्यूज़ में आता है,लेकिन ऊपर से बाबा तो सबकुछ देख रहा है। इसलिए बाबा को कितना रहम आ रहा है। क्योंकि उनके आगे तो पूरा विश्व

मैं ज्ञानी आत्मा हूँ, मैं योगी आत्मा हूँ, मैं बाबा का बच्चा हूँ, मैं तो महान हूँ ना, तो मुझे अपनी महानता से व्यवहार करना है। एक-दो को देखकर थोड़े ही व्यवहार करना है। मैं अच्छी हूँ इसलिए मुझे अच्छा व्यवहार करना है।

स्पष्ट है ना! इसलिए बाबा के ज्ञान से ही हलचल आदि समाप्त हो जाती हैं। पता है ये सब होना ही है। और ऐसा नहीं है कि सिर्फ मेरे साथ ऐसा हो रहा है। व्यक्ति इसलिए भारी हो जाते हैं कि मेरे साथ ही ऐसा हुआ। पर अब पता है कि सिर्फ हमारे साथ नहीं हो रहा है, सबके साथ कोई न कोई हिसाब चल रहा है।

देखो, आप किसी को कहेंगे कि आज तो बहुत सिरदर्द हो रहा है, तो वो भी कहेंगे कि देखो न आज मेरे पांव बहुत दुःख रहे हैं। हरेक को कोई न कोई तकलीफ है, किसी को कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। कोई कहेगा कि मेरा बेटा ठीक नहीं चल रहा है, तो कोई कहेगा कि मेरी बहू ऐसी है। हरेक का कुछ न कुछ हिसाब-किताब है। अब हमने ही ये हिसाब बनाये हैं। पहले तो दुःखी इसलिए होते थे कि बहू ऐसा कर रही है, सास ऐसा कर रही है, फलाने ऐसा कर रहे हैं मेरे साथ। पर अब तो हम जानते हैं ना कि वो नहीं कर रहे हैं, मेरा हिसाब ऐसा है। मेरा उनके साथ उधार चल रहा है, इसलिए मुसीबत हो रही है। तो जब खुद ही कारण हैं तो किसके आगे रोना!

खुद ही खुद को समझाओ कि मुझे रिएक्ट नहीं करना है। वो कैसा भी करे, पर मुझे ऐसा नहीं करना है। वो बुरा व्यवहार करे, फिर मैं बुरा व्यवहार करूं, वो करे, मैं करूं, ये तो साइकल 'बुरा' चलता ही रहेगा। दुनिया में कई ऐसे गांव देखे हैं मैंने, आपस में पीढ़ी-दर-पीढ़ी वैर चलता ही रहता है। ये उनके दो मारेंगे, वो चार मारेंगे, ये आठ मारेंगे, वो बारह मारेंगे। इतना वैर चलता ही रहता है। पर हमें बाबा ने सिखाया है कि हमें रिएक्ट नहीं करना है। उसने दो गाली दी, मैं चार दूं, नहीं। मुझे नहीं देनी है। मैं ज्ञानी आत्मा हूँ, मैं योगी आत्मा हूँ, मैं बाबा का बच्चा हूँ, मैं तो महान हूँ ना, तो मुझे अपनी महानता से व्यवहार करना है। एक-दो को देखकर थोड़े ही व्यवहार करना है। मैं अच्छी हूँ इसलिए मुझे अच्छा व्यवहार करना है। तो हिसाब स्टॉप हो जाता है, बढ़ेगा नहीं। तो देखो, उस समय में बाबा की कही हुई बातें ही तो काम में आती हैं कि बाबा ने क्या सिखाया है। बाबा के साथ दुनिया वालों ने, उनके अपने ही सिंधी समाज ने कितना विरोध किया, कितनी ग्लानि की। बाबा ने थोड़े ही वैर रखा। उन विरोध करने वालों ने जब देखा कि देश-विदेश में इतनी बड़ी संस्था बन गई, तो फिर आने लगे, मिलने लगे। तो बाबा ने 'ना' थोड़े ही कहा। बाबा ने प्यार से वेलकम किया। तो हमें भी ये याद रखना है कि जैसा बाबा ने किया हमें भी वैसा करना है तभी तो बाप समान बनेंगे।

मुम्बई-मलाड। सड़क सुरक्षा रैली का अवर लेडी ऑफ लूर्डेस चर्च,ओरलेम से चर्च के पादरी माइकल पिंटो, राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्या दीदी,वाइस चेयरपर्सन,ट्रांसपोर्ट एंड ट्रैवल विंग,ब्रह्माकुमारीज़, राजयोगिनी ब्र.कु. कुंती दीदी,नेशनल कोऑर्डिनेटर,ट्रांसपोर्ट एंड ट्रैवल विंग,ब्रह्माकुमारीज़, परब जी एवं भगवे जी,मुम्बई ट्रैफिक पुलिस आदि ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। डालमिया कॉलेज में रैली के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. कुंती दीदी, ब्र.कु. नीरजा बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका,मलाड वेस्ट, डालमिया कॉलेज की प्रिंसिपल किरण माने एवं मुम्बई ट्रैफिक पुलिस ने जन सभा को सम्बोधित करते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

कोरबा-टी.पी. नगर(छ.ग.)। विश्व सद्भावना भवन सेवाकेन्द्र में ब्रह्मा बाबा के 54वें स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व सभापति व पार्षद संतोष राठौर, एस.ई.सी.एल. सेंट्रल वर्कशॉप के प्रबंधक नवीन पाण्डे, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रुक्मणी बहन, ब्र.कु. बिन्दू बहन, डॉ. के.सी. देबनाथ तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

इंदौर-म.प्र। प्रजापिता ब्रह्माबाबा के अव्यक्त दिवस के अवसर पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए एडिशनल कमिश्नर मनीष कपूरिया, डॉ.गिरीश टॉवरी, ब्रह्माकुमारीज़ की चीफ ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु.हेमलता दीदी एवं ब्र.कु.अनीता दीदी।

बिलासपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग भवन सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. स्वाति बहन को उनके द्वारा समाज में, कोरोना काल में उत्कृष्ट सेवा, जल एवं प्रकृति संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए राष्ट्रीय व्यापार मेले में ए.डी.एन. वाजपेई,कुलपति,अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर, ललित पटेरिया,कुलपति,शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़, आर.पी. दुबे,कुलपति,सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, डॉ. प्रमोद महाजन,संयुक्त संचालक,स्वास्थ्य विभाग व राजेन्द्र शुक्ला,मंडी अध्यक्ष के द्वारा मोमेंटो देकर 'छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

मुम्बई-श्रीनगर(ठाणे वेस्ट)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर पुलिस फोर्स के लिए 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम के दौरान किरण कुमार कबाड़ी,सीनियर इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस,श्रीनगर, गजानन कबदुले,असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस वागले डिविज़न, अमर सिंह जाधव,डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ज़ोन,ठाणे, ब्र.कु. सीता बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. मुकेश जेठवानी,फिनान्स कंट्रोलर, ब्र.कु. मनीषा बहन, ब्र.कु. हरीश भाई तथा बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

सेंधवा-म.प्र.। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित 'श्रेष्ठ मन-सफल जीवन' विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. छाया बहन, गुरुकुल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य उमेश पाटिल, एडवोकेट संजय मोरे तथा अन्य।

रायगढ़-छ.ग.। 'वाह ज़िंदगी वाह, तनावमुक्ति एवं राजयोग शिविर' के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमति जानकी काटजू,महापौर, श्रीमति रश्मि शर्मा, प्रिंसिपल, संस्कार पब्लिक स्कूल,रायगढ़, रामचंद्र शर्मा,डायरेक्टर,संस्कार पब्लिक स्कूल रायगढ़ तथा ए.के. सिंह,डीन,कृषि महाविद्यालय रायगढ़ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारी बहनें।